

श्री. ११२।

पजावली पेशी में गाड़ी पजावली का अचलानेन
 शिपा गदा पजावली में डालेवादीगल का इका
 इकावली ही अतः कुत्तापिय डालेवादीगल के इकावली
 दावा के अनुवाद बाद वही डिडी बना जासा
 ही अतः विगत महीन अलग लिख जाय
 शामी पजावली किरा गदा (पजावली फेशल
 अनुवाद होय बाद नररीक तज्जाकीक वकल
 दाखिल करत ही।

निधी करे इजलाह हुनादा गदा।
 *

सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official

